जाग उठा हमारा आजाद हिन्दुस्तान
25 अप्रेल 2023

बड़वानी की खट्टी मीठी खबरें

भाजपा नगर मंडल से आ सकती है चौकाने वाली खबर-

भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल बड़वानी में पिछले दिनों से अन्दर ही अन्दर भारी उथल-पुथल नजर आ रही है । सूत्रों के अनुसार भाजपा नगर मंडल से जुड़े कुछ युवा अपने आपको संगठन में अकेला एवं उपेक्षा महसूस कर रहे हैं । अब दबी जुबान से चौराहे पर चर्चा चल रही है कि नगर मंडल के कुछ पदाधिकारी अपना इस्तीफा बड़े पदाधिकारियों को दे सकते हैं ,आओ पता करें -भाजपा नगर मंडल बड़वानी के कौन कौन पदाधिकारी इस्तीफा अपने पदों से स्तीफा दे रहे है ।

युवाओं की उपेक्षा और अपने को नगरपालिका में एल्डरमेन बनने के जुगाड़ में प्रदेश स्तरीय नेता

बड़वानी जिले में भाजपा संगठन एवं नेताओं के बीच आपसी तालमेल का अभाव एवं वरिष्ट एवं युवा नेताओं की उपेक्षा चर्चा का विषय बनी हुई है ।

पिछले दिनों सभी को मालूम है कि बड़वानी के भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद माकन सिंह सोलंकी कांग्रेस में शामिल हो चुके है । दादा के कांग्रेस में चले जाने के बाद यहां राजनीति में हलचल तेज हो चुकी है ,।

बड़वानी के चौराहों पर चर्चा है कि है पिछले नगर निकाय चुनाव में बड़वानी नगर पालिका में भाजपा की परिषद बन जाने के बाद अब अब कुछ प्रदेश लेवल के पदाधिकारी नेता भी एल्डर बनने के लिए लालायित हैं ।

वहीं पर युवा वर्ग को हासिये पर रखकर अनदेखी कर अपने अपने नाम भोपाल भेजकर एल्डरमैन बनने को आतुर हैं ,,,एलडरमेन बनने के इच्छुक प्रदेश स्तरीय पदाधिकारी यदि युवाओं को काबिल और सक्रिय युवा वर्ग को हास्ये पर रखकर एल्डरमैन बन गए तो युवा वर्ग को तो बाहर का रास्ता दिख ही जाएगा और आने वाले समय में विधान सभा और लोक सभा चुनाव होना है इस पर काबिलियत और सक्रिय युवाओं का क्या असर होगा यह तो वक्त ही बताएगा

नई परिषद ने सड़क तो बनाई पर सबसे पहले व्ही आईपी अधिकारियों एवं नेताओं के बंगलों के सामने

चुनाव के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंच से घोषणा की थी कि अगर आपने नगर पालिका में भारतीय जनता पार्टी का परचम लहराया तो हर गली की सड़कें बनवाई जाएगी । घोषणा वीर मुख्यमंत्री जी के इस वादे पर विश्वास कर बड़वानी के मतदाताओं ने भाजपा की नगर परिषद बनवाई ।

चुनावों में नगरपालिका परिषद में भाजपा ने जीत का परचम लहराया और मुख्यमंत्री जी द्वारा किये गये वादों इंतजार में बेठी आम जनता अपने अपने क्षेत्रों में सड़क निर्माण की इंतजार करने लगी । हां चुनाव जीतने के बाद सड़क बनी जरूर लेकिन मा.विधायक प्रेम सिंह पटेल के निवास के सामने, कलेक्टर बंगले के सामने ,लोक निर्माण विभाग के परिसर ,एसपी के बंगले पर, वीआईपी रोड का निर्माण हो चुका । जबकि बड़वानी की आम जनता धूल और सड़क के गड्ढों से परेशान है जनप्रतिनिधियों को आम जनता से कोई सरकार नहीं है ।

बड़वानी से नरेश रायक की खास रिपोर्ट

करोडों की योजनाओं के बाद भी धोबडिया तालाब की हालत है जस की तस

अपनी बर्बादी पर आज भी आसूं बहा रहा है बड़वानी रियासत का बड़वानी तालाब

बड़वानी- नरेश रायक

बड़वानी रियासत के समय के विख्यात बड़वानी तालाब का को कालांतर में कब और कैसे धोबडिया तालाब नाम से जाने जाना लगा इसकी पुख्ता जानकारी तो नही है,लेकिन बड़वानी के जिला बनने के बाद से अब तक अनेकों बार इसके जीर्णोद्धार की अलग अलग योजनाऐं बनाई गई लेकिन करोडों की बर्बादी के बावजूद इस तालाब की हालत हालात जस के तस बने हुये है। बडवानी जिले का यह ऐतिहासिक तालाब आज भी अपनी बर्बादी पर खून के आसूं बहाते हुये वास्तविक जीर्णोधार की आज भी बाट जो रहा है ।

सरकारे बदलती गई, योजनाये बनती गई लेकिन तालाब की नही सुधरी दशा-

बडवानी के जिला बनने के बाद भी कई सरकारे आई और चली गई ,लेकिन हर बार सरकारी योजनाकार इस तालाब के जीर्णोद्वार के नाम पर नई नई योजनाएं बनाकर हर नई सरकार के सामने रखते रहे । उन योजनाओं से इस तालाब का कितना कायापलट हुआ यह तो इस

तालाब की वर्तमान हालात देखकर अनुभव किया जा सकता है लेकिन इन योजनाओं के नाम पर योजना बनाने वाले को उसका प्रतिफल जरूर मिल ही जाता है।

वही तालाब की अधिकृत एजेंसी सिंचाई विभाग इस पर अलग से राशि खर्च करती है,हाल ही में नपा बडवानी के द्वारा इस तालाब के लिये 1करोड़

अमृत
Atal Mission for Rejuvenation and Urban Transformation

DETAILED PROJECT REPORT
FOR
REJUVENATION OF DHOBARIYA TALAB
UNDER
MUNICIPAL COUNCIL BADWANI (M.P)

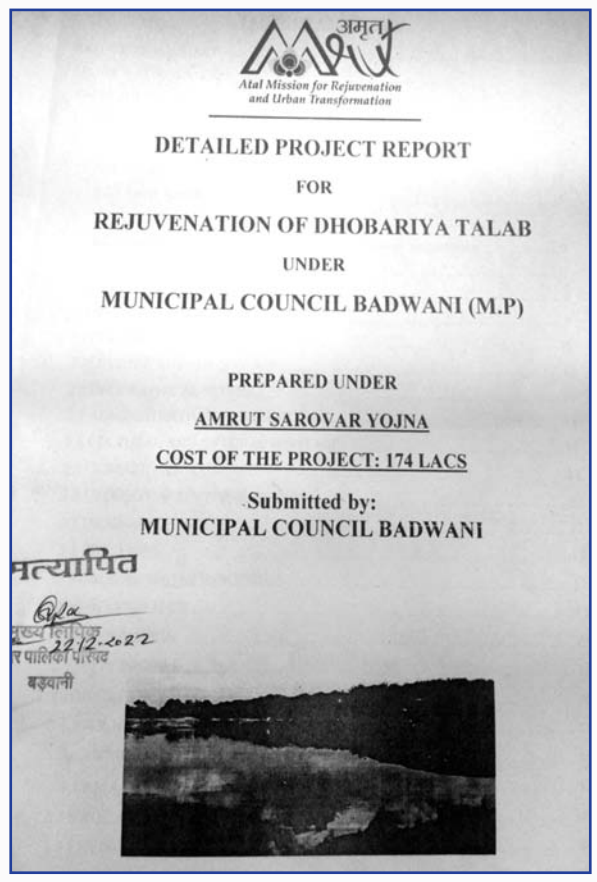

PREPARED UNDER
AMRUT SAROVAR YOJNA
COST OF THE PROJECT: 174 LACS

Submitted by:
MUNICIPAL COUNCIL BADWANI

सत्यापित
22.12.2022
मुख्य लिपिक
नगर पालिका परिषद
बड़वानी

74 लाख रुपये की कार्य योजना बनाकर मप्र सरकार को भेजी है।

योजनाओं के नाम पर खानापूर्ति एवं भ्रष्टाचार का सिलसिला

बड़वानी के जिला बनने के बाद सर्व प्रथम यहां पदस्थ रहे जिला पंचायत के मुख्य कार्य पालन अधिकारी आजाद सिंह डबास ने इसे पर्यटन स्थल बनाने हेतु कार्य योजना बनाकर उस पर कार्य प्रारंभ किया था और बडी राशि खर्च की थी,यहां पर नोकाविहार के लिये लाई गई नावों का क्या हुआ कोई नही जानता। इसके बाद सन 2010 में आये जिले के कलेक्टर संतोष मिश्र ने इसके जीर्णोद्धार का बीडा उठाया और जिले के माननीयो सहित,हर समाज,सरकारी कर्मचारियों व स्कूल विधार्थियो से गेती फावडा चलवाने के साथ तगरिया भी उठवा ली थी,प्रतिदिन सरकारी खबरे भी जारी हो रही थी,वही बजरी माफियाओं से उनके ट्रेक्टर ट्रॉली व अन्य मशीनरी का सहयोग भी लिया । इस अभियान में बडगांव पंचायत की मनरेगा राशि में जमकर भ्रष्टाचार किया गया साथ ही शहर का ऐसा कोई कोना नही बचा जहा से साबूत पेड नपा की जेसीबी से उखाडकर नही लाये गये हो,सोलर लाइट के साथ और भी तामझाम,आज वे कहा है ? कोई पूछने वाला नही कोई देखने वाला नही।

इसी अभियान के चलते ही तत्कालीन लोकसभा सांसद मकनसिह सोलंकी ने कलेक्टर द्वारा जनप्रतिनिधियों को नजरअंदाज करने की शिकायत मुख्यमंत्री से की और दोपहर को संतोष मिश्र का तबादला आदेश आ गया,उन्हें दुखी मन से बडवानी छोडना पडा था। इसके बाद वर्तमान राज्यसभा सांसद एवं उस समय के प्रोफेसर सुमेरसिंह सोलंकी जो की राष्ट्रीय सेवा योजना की कालेज इकाई भी देखते थे, उन्होंने इसके कायाकल्प की मुहिम प्रारम्भ कर अखबारों की सुर्खियां पाई,लेकिन परिणाम गाजर घास निकालने से आगे नही बढ पाया।

धोबडिया तालाब की भोगोलिक स्थिति

धोबडिया तालाब की भौगोलिक स्थिति को देखे तो पूर्व की और अधिकारियों की कालोनी,पश्चिम में आम रास्ते के साथ हाउसिंग बोर्ड कालोनी, उत्तर में सरकारी जमीन के साथ यातायात थाना व दक्षिण में पुलिस लाइन बनी हुई है।

सिचाई विभाग ही करवा सकता है सही अर्थो में तालाब का जीर्णोद्धार

प्रशासन को वास्तव में धोबडिया तालाब का जीर्णोद्धार करवाना है तो,सिंचाई विभाग को देखना होगा और उसी से काम करवाना होगा नही तो साल दर साल योजनाओं की फाइलें बनती जायेगी और भ्रष्टाचार होता रहेगा जनता के पैसे का दुरुपयोग कर हर अधिकारी कर्मचारी यहां से स्थानांतरण होकर कहीं और चला जाएगा जबकि यहां पर बैठे बड़े-बड़े नेता अभिनेता

अपना हिस्सा लेकर कानों में तेल डालकर मुंह पर पट्टी बांध चुपचाप बैठ जाते हैं अब समय आ गया है कि आम जनता को इसके प्रति और अपने शहर को साफ स्वच्छ रखने के लिए आगे आना होगा जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का सपना भी साकार हो सके।

कुआं खुदाई के दौरान विस्फोट, दो की मौत

सेंधवा- बड़वानी जिले में वरला तहसील के खपाड़ा गांव में 18 अप्रैल को कुआं खुदाई के दौरान विस्फोट हो गया। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई थी। मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। इन्हें न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया है। कुआं खोदने के लिए यहां ड्रिल मशीन और जिलेटिन रॉड का उपयोग किया जा रहा था। तभी विस्फोट हो गया। पुलिस ने शनिवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। इसमें जिलेटिन विक्रेता शामिल है। विक्रेता का लाइसेंस निरस्त करने के लिए लिखा गया है।

वरला के खपाड़ा गांव के खड़ीखोदरी फलिया में कुआं खुदाई के दौरान जिलेटिन की छड़ फटने से कमोद गांव के दो लोगों की मौत हो गई थी। सूचना मिलने पर वरला पुलिस मौके पर पहुंची। एसपी के निर्देश पर बीडीडीएस टीम ने तत्काल पहुंचकर घटना स्थल का निरीक्षण किया। वरला थाने पर मर्ग कायम किया। जांच में पाया कि जो लोग कुआं खुदाई में विस्फोटक सामग्री का उपयोग कर रहे थे। उनके पास किसी भी प्रकार का कोई लाइसेंस नहीं था और ना वह प्रशिक्षित थे।

जुलवानिया से विस्फोटक खरीदा

इसके बावजूद कुआं खुदाई में विस्फोटक का प्रयोग कर रहे थे। जांच के बाद केस दर्ज किया गया। पुलिस ने विस्तृत पूछताछ में पता लगाया कि जुलवानिया से विस्फोटक खरीदने की बात सामने आई। पुलिस जुलवानिया में संबंधित विक्रेता के पास गई। उसके पास विस्फोटक बेचने का लाइसेंस तो था, लेकिन जिस व्यक्ति को विस्फोटक बेचा उसके पास विस्फोटक उपयोग करने का लाइसेंस नहीं था। इस पर धारा 6 विस्फोटक अधिनियम के तहत विस्फोटक बेचने वाले के खिलाफ कार्रवाई की।

राजस्थान के रहने वाले हैं आरोपी

पुलिस टीम ने आरोपी विस्फोटक मशीन मालिक घनश्याम पिता शंभु गुर्जर निवासी नारायणपुरा थाना असीन जिला भीलवाड़ा राजस्थान हाल मुकाम काबरी जिला खरगोन और विस्फोटक विक्रेता देवकिशन पिता राधाकिशान निवासी कोचरिया थाना माडल जिला भीलवाड़ा राजस्थान हाल मुकाम जुलवानिया थाना जुलवानिया जिला बड़वानी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया। एक आरोपी की विस्फोट में मौत हो चुकी है।

जिलेटिन छड़ सहित अन्य सामग्री जब्त

आरोपियों से 6 जिलेटिन छड़ें व 18 कार्डेक्स केबल के टुक?, इलेक्ट्रिक वायर का बंडल, एक ड्रिल मशीन, ब्लास्टिंग मशीन लगा एक ट्रैक्टर ऋछ्व ह्र6 ड्ढ 8225 जब्त किया है। आरोपियों को पक?ने वाली टीम में एसआई नेपालसिंह चौहान व माया अलावा,एएसआई मेहताब सिंह चौहान व निर्भयसिंह मुजाल्दे व स्टाफ मौजूद था।

स्वामित्व, प्रकाशक एवं मुद्रक- नवरत्नमल जैन, 5 बी/3 प्रेस कॉम्पलेक्स इंदौर एवं 2/12 एनेक्स श्री कंवर कालोनी बड़वाह से प्रकाशित एवं कॉम्पेक प्रिंटर्स लि. फ्री प्रेस हाऊस 3/54 प्रेस कॉम्पलेक्स इंदौर से मुद्रित। प्रधान संपादक -नवरत्नमल जैन - फोन-(07280)224750, मो. 9407133337